S-271

Total Pages : 4 Roll No. .....

MASL-607

गद्य एवं पद्य काव्य भाग-02

MA Sanskrit (MASL)

4th Semester Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. नैषधीय चरितम् महाकाव्य के रचयिता महाकवि श्रीहर्ष का ऐतिहासिक परिचय दीजिए।

2. महाकवि अश्वधोष के जीवन परिचय का वर्णन करते हुए कृत्तित्व पर प्रकाश डालिए।

3. नैषधं विद्वदौषधम् की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

4. महाकवि अश्वधोष् विरचित बुद्धचरतिम् महाकाव्य की कथावस्तु का वर्णन कीजिए।

अथवा

निम्न श्लाकों में से किन्हीं दो का विस्तृत व्याख्या कीजिए :

(क) तस्तिन् वने श्रीमति राजपत्नी प्रसूतिकालं समवेक्षमाणा।
शय्यां वितानोपहितां प्रपेदे नारीसहस्त्रैरभिनन्द्यमाना।।

(ख) अधीति बोधाचरणप्रचारणैर्दशाश्चतस्रः प्रणयन्नुपाधिभिः।
चतुर्दशत्वं कृतवान् कुतः स्वयं न वेद्मि विद्यासु चतुर्दशस्वयम्।।

(ग) ततः प्रसन्नश्च बभूव पुष्पस्तस्याश्च देव्या व्रत संस्कृतायाः।
पाश्र्वात्सुतो लोक हिताय यज्ञे निर्वेदनं चैव निरामयं च।।

(घ) मदेकपुत्रा जननी जरातुरा नवप्रसूति र्वरटा तपस्विनी।
गतिस्तयोरेष जनस्तमर्दयन्नहो विधे त्वां करुणा रुणद्धि न।।

5. महाकवि श्रीहर्ष की रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए, नैषधीय महाकाव्य के प्रथम सर्ग की कथासार का वर्णन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. बुद्धचरितम महाकाव्य में महाकवि श्रीहर्ष की भाषा शैली का वर्णन कीजिए।

2. नैषधीय चरितम् महाकाव्य में नल के गुणों व सौन्दर्य का वर्णन कीजिए।

3. बुद्धचरितम् महाकाव्य के प्रथम सर्ग का कथासार लिखिए।

4. उदिते नैषधेकाव्ये क्व माघः क्व च भारविः की व्याख्या कीजिए।

5. नैषधीयचरितम् महाकाव्य का संक्षिप्त कथासार लिखिए।

6. बुद्धचरितम् महाकाव्य का परिचय दीजिए।

7. किन्हीं दो श्लोकों का भावानुवाद विश्लेषण कीजिए :

(क) तस्या विदित्वा नृप आर्यभावं धर्म्यंच तुष्टः सुतरामनन्दत्।
इच्छाविघातादहितं विशङ्क्य तत्प्रीतये चाशु विनिर्जगाम।।

(ख) यदस्य यात्रासु बलोद्धतं रजः स्फुरत्प्रतापानल धूममञ्जिम।
तदेव गत्वा पतितं सुधाम्बुधौ दधाति पंकीभवदंकतां विधौ।।

(ग) वंश श्रियं गर्भगतां वहन्ती प्राचीव कल्पे विरराज राज्ञी।
सा शोकमोहक्लमवर्जितापि घनं वनं गन्तुमियेष देवी।।

(घ) अयोग भाजोऽपि नृपस्य पश्यता तदेव साक्षादमृतांशुभाननम्।
पिकेन रोषारुणचक्षुषा मुहुःकूहूरुताहूयत चन्द्रवैरिणी।।

8. निम्न में से दो सूक्तियों की व्याख्या कीजिए :

(क) अधीतिबोधा चरणप्रचारणैंर्दशाश्चतस्रः प्रणयन्नुपाधिभिः।

(ख) लोकस्य मोक्षाय गुरौ प्रसूते शमं प्रपेदे जगदव्यवस्थम्।

(ग) व्यजन्तसूंशर्म च मानिनो वरं त्यजन्ति न त्वेक मयाचितव्रतम्।

(घ) क्व भोगमाप्नोति न भाग्य भाग्जनः।

(ङ) रागे मग्नस्य दुःखे जगतो हिताय।